

प्रेषक,

डा० एम०सी०जोशी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद,
देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 28 नवम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में आयोजनागत पक्ष में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद हेतु शेष धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: UCS&T/Sect.24/2007-08/1880, दिनांक: 30-08-2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद को वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु शासनादेश संख्या: 116/XXXVIII/07-12-वि0प्रौ0/2006, दिनांक: 17.07.2007 से आवंटित धनराशि के कम में द्वितीय किश्त के रूप में रू० 2,61,00,000.00 (रू० दो करोड़, इकसठ लाख मात्र की) धनराशि निम्नांकित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखने व व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. वित्तीय वर्ष 2007-08 में आवंटित कुल धनराशि की सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाए।
3. यह स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज नियमों एवं वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन हो अर्थात् आवंटित धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का पूर्णतः अनुपालन किया जायेगा।
4. व्यय करने से पूर्व जहाँ सक्षम अधिकारी का प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसे व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही व्यय किया जायेगा।



5. व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, अतः मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये।
6. मासिक आधार पर व्यय विवरण एवं उक्त धनराशि का उपयोगिता/उपभोग प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए एवं अन्ततः वर्षान्त पर सम्पूर्ण आवंटित धनराशि का व्यय विवरण व उपयोगिता/उपभोग प्रमाण-पत्र तथा किये कार्यों का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जाए।
7. धनराशि जिन मदों पर व्यय की जा सकती है वे निम्नानुसार, तदस्थान में वर्णित वार्षिक परिव्यय की सीमा के अधीन है :-

(धनराशि लाख रुपये में)				
क्र०सं०	योजना	अनुमोदित परिव्यय	चालू योजनायें	आवंटित
1.	शोध एवं विकास	225.00	225.00	55.00
2.	उद्यमिता विकास	210.00	210.00	40.50
3.	विज्ञान लोक व्यापीकरण	100.00	100.00	35.00
4.	साईस सिटी एवं तकनीकी परिषद स्थापना	1000.00	1000.00	-
5.	प्रत्येक जनपद में साईस पार्क स्थापना	50.00	50.00	-
5.	टैक्नोलॉजी रिसोर्स सेन्टर की स्थापना	100.00	100.00	-
योग		1685.00	1685.00	130.50

अतः वर्ष में कुल आवंटित धनराशि उक्तानुसार इंगित योजनाओं के सापेक्ष योजनावार अनुमोदित परिव्यय की सीमा के अधीन ही व्यय की जायेगी एवं व्यय करने से पूर्व परिषद द्वारा संबंधित योजनाओं/कार्यों हेतु कार्य योजना/Bench marks पर तथा तदनुसार व्यय हेतु अनुमोदन प्राप्त कर शासन से भी अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा। यदि उक्त इंगित किन्हीं योजनाओं में अधिक व्यय किया जाना प्रस्तावित हो अथवा/और अन्य योजनाओं/मदों में व्यय प्रस्तावित हो तो उस हेतु भी उक्तानुसार परिषद व शासन से पूर्वानुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा एवं साथ ही आवश्यक पुनर्विनियोग भी स्वीकृत करा लिया जायेगा।

8. स्वीकृत धनराशि के बिल जिलाधिकारी, देहरादून से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार में जमा कराते हुए धनराशि आहरित की जाए।



9. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-23 मुख्य लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान, 60-अन्य, 004-अनुसंधान तथा विकास, 07-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद को सहायता-00-आयोजनागत के अन्तर्गत मानक मद संख्या-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

10. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 1071/वि0अनु-5/07, दिनांक: 19 नवम्बर, 2007 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,


(डा0एम0सी0जोशी)
अपर सचिव।


संख्या: 1071 (1)/XXXVIII/07-12/वि0प्रौ0/2006, तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-5,
5. बजट अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन।
6. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर देहरादून।
8. निजी सचिव-प्रमुख सचिव उत्तराखण्ड शासन।
9. गार्ड फाईल।



आज्ञा से,


(लक्ष्मण सिंह)
अनु सचिव।